किरातार्जुनीयम् (तृतीयसर्ग) एम. ए. IV Sem.
Question Bank
डॉ उमा शर्मा
अध्यक्ष - संस्कृत विभाग

1 प्र० 'अजातशत्रु' किरातार्जुनीयम् (तृतीयसर्ग) के अनुसार पर्याय है -
(क) युधिष्ठिर (ख) भीम (ग) अर्जुन (घ) नकुल

2 प्र० जिस काव्य में चार श्लोकों का एक साथ अन्वय होने को क्या कहते हैं -
(क) युग्मक (ख) सन्दानितक (ग) कुलक (घ) कलापक

3 प्र० "पिशङ्गीं जटास्तडित्वन्तमिवाम्बुवाहम्" अलंकार है -
(क) उपमा (ख) उत्प्रेक्षा (ग) रूपक (घ) अनन्वय

4 प्र० 'पिशङ्गीं जटा' विशेषण के रूप में प्रयुक्त है -
(क) वेदव्यास (ख) युधिष्ठिर (ग) भीम (घ) नकुल

5 प्र० - "आ संसृतेरस्मि जगत्सु जातस्त्वय्यागते यद् बहुमानपात्रम्" में "त्वय्यागते" से किसका संकेत हो रहा है -
(क) अर्जुन (ख) कृष्ण (ग) वेदव्यास (घ) द्रोपदी

6 प्र० सुयोधन से किसका बोध हो रहा है -
(क) दुःशासन (ख) दुर्योधन (ग) अर्जुन (घ) कर्ण

7 प्र० "त्रिःसप्तकृत्वा जगतीपतीनां हन्ता गुरुर्यस्य सजामदग्न्यः में 'जामदग्न्यः' शब्द से किसका बोध हो रहा है"
(क) वेदव्यास (ख) परशुराम (ग) आचार्यद्रोण (घ) अगस्त्य

प्र० अर्जुन तपस्या हेतु किस पर्वत पर गया -
(क) इन्द्रकील (ख) सुमेरु (ग) कैलास (घ) नीलगिरि

प्र० हि सतां योगः आशु विश्वासयति। सूक्तिपरकवाक्य का समुद्धृत है किरातार्जुनीयम के -
(क) प्रथम सर्ग से (ख) द्वितीय सर्ग (ग) तृतीयसर्ग (घ) चतुर्थसर्ग से

Scanned by CamScanner

किरातार्जुनीयम् (चतुर्थसर्ग)

प्र०1- किरातार्जुन के चतुर्थ सर्ग में वर्णित विषय है -
(क) अर्जुन की तपस्या (ख) शरद् ऋतु वर्णन (ग) भीम युधिष्ठिर वार्तालाप
(घ) वर्षा ऋतु

प्र० 2- चतुर्थसर्ग (किरात०) में 1 से 36 श्लोक संख्या 1-36 श्लोक तक किस छन्द का प्रयोग हुआ है"

प्र०- "जतौ तु वंशस्थमुदीरितं जरौ" किस छन्द का लक्षण है या-
जतौ तु ..... उदीरितम् जरौ में रिक्त स्थान पूर्ति करो -
(क) वंशस्था (ख) अनुष्टुप (ग) उपजाति (घ) मालिनी

प्र०- "गुणाः प्रियत्वेऽधिकृता न संस्तवे" सूक्ति का सम्बन्ध है किरातार्जुनीयम् के-
(क) प्रथम सर्ग से (ख) द्वितीय सर्ग से (ग) तृतीय सर्ग से (घ) चतुर्थ सर्ग से

प्र०- कृताऽवधानं जितबर्हिणध्वनौ सुरक्तगोपीजनगीतनिःस्वने ।
इदं जिघत्सामपहाय भूयसीं न सस्यमभ्येति मृगीकदम्बकम् ॥
में प्रमुख रूप से किसकी उत्कर्षता का प्राकट्य है
(क) गोपियों के गीत का (ख) सस्य का (ग) मृगों का (घ) वर्षा का

प्र० उपर्युक्त श्लोक में 'कदम्बकम्' का अर्थ है -
(क) वृक्ष (ख) समूह (ग) मृगेन्द्र (घ) एक पुष्प

प्र० "आवलिः" का क्या अर्थ है
(क) पंक्ति (ख) कतार (ग) पूर्वोल्लिखित दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र० "जिष्णु" शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है (चतुर्थसर्ग में)
(क) जनार्दन (ख) विष्णु (ग) अर्जुन (घ) जामदग्न्य

प्र० तपस्या हेतु जाते हुये अर्जुन का पथप्रदर्शक कौन है -
(क) गुह्यक (ख) वेदव्यास (ग) कृष्ण (घ) युधिष्ठिर

प्र० निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -
पतन्ति नाऽस्मिन्विशदाः पतत्रिणो धृतेन्द्रचापा न पयोदपङ्क्तयः ।
तथापि पुष्णाति नभः श्रियं परां न रम्यमाहार्यमपेक्षते गुणम् ॥

Scanned by CamScanner